युनाइटेड भारत
लखनऊ समाचार
लखनऊ शुक्रवार 14 फरवरी 2014

आठ देशों के कृषि वैज्ञानिकों का जमावड़ा

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव कल से

बच्चें लेंगे घोडागाड़ी व बैलगाड़ी का मजा

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में जनसामान्य की अभिरूचि विकसित कर सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु छोटे बच्चों के लिए फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता, स्वास्थ्य के लिए दौड़ प्रतियोगिता, किसी एक विषय पर एक मिनट तक बोलने की प्रतियोगिता, गुब्बारे फुलाने की प्रतियोगिता, विद्यार्थियों के लिए ट्रेजर हन्ट, योग, प्रश्नोत्तरी, बधाई पत्र बनाना, निबन्ध लेखन प्रतियोगिता, गन्ना चूसना तथा पतंग उड़ाने जैसी अनेक आकर्षक प्रतियोगिताएं का आयोजन किया जा रहा है। चीनी व गुड़ से निर्मित खाद्य व्यंजन, पुष्प प्रबंधन, रंगोली तथा मेंहदी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जायेगा। छोटे बच्चों के मनोरंजन के लिए ऊंट गाड़ी, घोड़ागाड़ी व बैलगाड़ी का भी आनन्द छोटे बच्चे इस महोत्सव में ले सकेंगे। इस अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में विश्व के लगभग 10 देशों के वैज्ञानिक भाग लेकर विभिन्न शर्करा फसलों पर हो रहे अनुसंधानों पर चर्चा करेंगे जिससे अपने-अपने देश में चीनी उद्योग को और बेहतर बना सके।

तकनीक में नही कोई कमी

शर्करा महोत्सव में पत्रकारों से बातचीत करते हुए डा सुशील सोलोमन ने कहा कि हमारे यहां तकनीक में कोई कमी नही है, यदि कमी है तो उसे लागू करने में। एक सवाल के जवाब में जब उनसे यह पूछा गया कि क्या प्रदेश सरकार सहयोग नही कर रही है, तो उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार पर कटाछ करने से बचते हुए उन्होने यही कहा कि प्रदेश सरकार को और प्रयास करना चाहिए।

समय के अनुसार बदल रही तकनीक

डा सुशील सोलोमन ने कहा कि आज तकनीक समय के अनुसार बदल रही है। उन्होने कहा कि पहले जो वैराइटी पच्चीस वर्ष तक चलती थी, वह आज पांच वर्ष में ही बदल जाती है। उन्होने यह भी कहा कि इससे रोगों से बचा जा सकता है। उन्होने कहा कि शर्करा क्षेत्र में अग्रणी ब्राजील से भी एक्सपर्ट बुलाये गये हैं, और उनसे यह भी जानने का प्रयास किया जायेगा कि वहां किस तरह के प्रयास से इस क्षेत्र में अग्रणी हुये हैं, साथ ही उत्पादकता बढ़ाने के गुर भी उनसे सीखे जांयेगें।

युनाइटेड समाचार सेवा

लखनऊ 13 फरवरी। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ अपने स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का आयोजन आगामी 15 से 17 फरवरी तक किया जा रहा है। गन्ना संस्थान की स्थापना 16 फरवरी 1952 को हुआ था। इस अवसर पर शर्करा फसलों पर एक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया जा रहा है। आयोजन से ही सम्बंधित सूचनाएं आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकारों से बातचीत में संस्थान के निदेशक डा0 सुशील सोलोमन ने पत्रकारों को सम्बोधित करते गन्ना एवं चीनी क्षेत्र में विश्व परिदृश्य में हो रहे विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। संस्थान के मीडिया प्रभारी डा एके शाह वरिष्ठ वैज्ञानिक ने राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। इस अवसर पर शर्करा महोत्सव के आयोजन सचिव डा0 सुधीर शुक्ला ने संस्थान के तकनीकों के बारे में बताया। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव 2014, मुख्य रूप से शर्करा फसलों के उत्पादन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रदर्शनी, व्यापार, बैठकों, व्याख्यानों तथा प्रदर्शन द्वारा इन फसलों के उत्पादन तथा प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के प्रसार का अवसर प्रदान करेगा। इस अवसर पर केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों के नीति नियन्त्रकों व सरकारी अधिकारी तथा शर्करा फसलों पर अनुसंधानरत विश्वविख्यात वैज्ञानिकों की गरिमामयी उपस्थिति सभी के लिए लाभकारी होगा। राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में जनसामान्य की अभिरूचि विकसित कर सहभागिता सुनिश्चित करने अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

the pioneer
LUCKNOW FRIDAY | FEBRUARY 14, 2014

IISR to hold 62nd foundation day soon

PIONEER NEWS SERVICE ■ LUCKNOW

The Indian Institute of Sugarcane Research, Lucknow, will organise its 62nd foundation day soon. To commemorate the occasion the National Sugar Fest-2014 and an International Conclave on Sugar Crops are also being organised from February 15-17 this year. A press conference was organised at the Institute. The Director, IISR, S Solomon, addressed the media people and highlighted the global scenario of sugarcane and sugar sector and the emerging need for mutual sharing of information in this sector. International experts from 13 countries are expected to be a part of the conclave with the total number of delegates attending it expected to be around 250.

The Director, S Solomon, while talking to 'The Pioneer' said that the main focus of the conclave was to learn from international experts the use of molasses in the production of ethanol for Green Energy. "In countries like Brazil there is already 40 per cent blending and they are also targeting at 100 per cent blending of ethanol. From the Brazilian experts we can find out what is the policy their country had adopted which had helped them in achieving such results. There is no shortage of molasses here," said Solomon. He said that apart from the four major sugar-producing countries like Brazil, India, Australia and China there would be experts from Africa, Uganda, Sri Lanka and South Africa.

The Director said that they would also discuss the co-generation of electricity which could be produced from bagasse. He said that the country was already producing 3000 megawatts of electricity with the new sugar mill complexes having the provision of all facilities. The Australian experts would talk about the highly-productive varieties which were cost-effective and environmental-friendly, he said.

The National Sugar Fest is targeted to showcase the technological advancements in the sugarcane and sugar sector along with the technologies developed at the Institute. The National Sugar Fest-2014 will provide an opportunity for dissemination of sugarcane production and processing technologies through exhibitions, business meets, topical lectures and demonstrations concerning almost each and every aspect of major sugar crops.

He said that the stakeholders, farmers, development workers and the rural and cooperative functionaries, who would attend the Fest, could draw benefits from it.

He said that the presence of policy makers, government functionaries and scientists from Central as well as state governments would provide opportunities for making agriculture, especially the sugar sector, more attractive and beneficial for one and all. On the occasion various competitions like Fancy Dress, Run for Health, Ex tempore Talk, balloon blowing for children, Treasure Hunt, Yoga, Quiz, Greeting Card Making, Essay Writing, Cane Chewing and Kite Flying for the students, Innovative Food Recipes, Flower Arrangements, rangoli and mehndi competitions for working women, housewives and girls would also be arranged on the occasion, he said. A cultural programme, including folk and classical Indian music, and a musical concert will also be held.

On the occasion the Institute will also celebrate the Kisan-Vigyan Sangam on February 16-17, 2014, with the support of the sister institutes of ICAR located at Lucknow viz., Central Institute of Subtropical Horticulture, National Bureau of Fish Genetic Resources and Regional Station of Central Soil Salinity Research Institute.

कल्पतरु एक्सप्रेस

लखनऊ, शुक्रवार, 14 फरवरी 2014

किसान विज्ञान संगम कल से

कल्पतरु समाचार सेवा

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के 62वें स्थापना दिवस के मौके पर शनिवार से तीन दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। संस्थान परिसर में आयोजित होने वाले महोत्सव में शर्करा फसलों पर एक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी होगा। संगोष्ठी में लगभग 10 देशों के 150 से अधिक प्रतिनिधि व वैज्ञानिक भाग लेंगे। संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन नें गुरुवार को यह जानकारी पत्रकारों को दी।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके साह ने बताया कि शर्करा महोत्सव द्वारा मुख्य रूप से शर्करा फसलों के उत्पादन, प्रदर्शनी, व्यापार, बैठकों, व्याख्यानों, फसल प्रदर्शन द्वारा उत्पादन तथा प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के प्रसार का मौका मिलेगा। इस कार्यक्रम में दस हजार गन्ना किसान, प्रसार कार्यकर्ता, ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भाग लेंगे।

शर्करा महोत्सव के बारे में जानकारी देते गन्ना अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन

तीन दिवसीय कार्यक्रम में होंगे विविध आयोजन

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में 10 देशों के 150 विशेषज्ञ लेंगे भाग

कार्यक्रम के सचिव डॉ. सुधीर शुक्ला ने बताया कि शर्करा महोत्सव में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। छोटे बच्चों के लिए फैन्सी ड्रेस, स्वास्थ्य के लिए दौड़, किसी दिए विषय पर एक मिनट तक बोलना तथा गुब्बारे फुलाने एवं विद्यार्थियों के लिए ट्रेजर हन्ट, योग, प्रश्नोत्तरी, बधाई पत्र बनाना, निबन्ध लेखन, गन्ना चूसना तथा पतंग उड़ाने जैसी आकर्षक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए गन्ने के रस, चीनी व गुड़ से निर्मित खाद्य व्यंजन, पुष्प प्रबन्धन, रंगोली तथा मेंहदी प्रतियोगिताएं महोत्सव की आर्कषण होंगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे आयोजित

शर्करा महोत्सव में रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। लोक संगीत तथा भारतीय शास्त्रीय संगीत के आयोजन इनमें विशेष हैं।

कृषि पर्यटन के तहत ऊंट, घोड़ा गाड़ी व बैलगाड़ी की सवारी का भी लुत्फ उठाया जा सके गा। परिसर में आयोजित फूड कोर्ट में भारतीय व यूरोपियन भोजन उपलब्ध रहेगा।

hindustantimes

HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
FRIDAY, FEBRUARY 14, 2014

IISR's sugar fest, conclave from February 15

LUCKNOW: To commemorate its 62nd foundation day, Indian Institute of Sugarcane Research (IISR) will be organising National Sugar Fest-2014 and a three-day international conclave on sugar crops from February 15 to 17. Addressing a press conference on Thursday, officials of the IISR highlighted the global scenario of sugarcane and sugar sector and emerging need of mutual sharing of information in this sector.

Spokesperson of IISR Dr AK Sah said that National SugarFest would be showcasing the technological advancements in producing sugarcane crop and sugar sector along with the technologies developed at the Institute. The conclave is intended to provide an excellent networking opportunity for researchers, technologists, extension officers, industrialists and policy makers among others for meaningful deliberations through sharing of views and experiences.

HTC

(MORE LOCAL NEWS ON PAGE 8)

कैनविज टाइम्स

शुक्रवार, 14 फरवरी 2014 5

अंतर्राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन

लखनऊ। गन्ने की फसल को कैसे बढ़ाया जाए ? किसान कैसे अधिक से अधिक मुनाफा कमाएं? इन बिंदुओं को लेकर भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के 62वें स्थापना दिवस पर शर्करा फसलों पर अंतरराष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें शर्करा के उत्पादन में वृद्धि पर विभिन्न संस्थाओं के शोधकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। वैज्ञानिक एके साहू ने बताया कि शर्करा की फसल को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। गन्ने की उन्नत किस्मों व शर्करा के उत्पादन को किस प्रकार बढ़ावा दिया जाए इस बात की जानकारी देने के लिए देश के कोने- कोने से जानकार एकत्रित होकर जानकारी देंगे।

www.samaylive.com | राष्ट्रीय सहारा | 9

लखनऊ। शुक्रवार • 14 फरवरी • 2014

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव कल से

सरोजनीनगर-लखनऊ (एसएनबी)। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के 62वें स्थापना दिवस पर आगामी 15 फरवरी से तीन दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का आयोजन होगा। यह जानकारी देते हुए संस्थान के निदेशक डा. सुशील सोलोमन ने बताया कि समापन के दौरान गन्ना एवं चीनी क्षेत्र में विश्व परिदृश्य में हो रहे विभिन्न गतिविधियों एवं प्रयोगों का आदान-प्रदान होगा। महोत्सव में दस हजार से अधिक गन्ना कृषक, प्रसार कार्यकर्ता, ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में जनसामान्य की अभिरुचि विकसित कर सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए छोटे बच्चों हेतु फैन्सी ड्रेस, स्वास्थ्य के लिए दौड़, किसी दिए विषय पर एक मिनट तक बोलना तथा गुब्बारे फुलाने एवं विद्यार्थियों के लिए ट्रेजर हन्ट, योग, प्रश्नोत्तरी, बधाई पत्र बनाना, निबन्ध लेखन, गन्ना चूसना तथा पतंग उड़ाने जैसी आकर्षक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है।

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, शुक्रवार, 14 फरवरी , 2014 (2)

राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव कल से

लखनऊ (सं.)। भारतीय गन्ना अनुसन्धान संस्थान अपने 62वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का आयोजन आगामी 15 से 17 फरवरी के मध्य कर रहा है। इस अवसर पर शर्करा फसलों पर एक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया जा रहा है। यह कार्यक्रम गन्ना तथा शर्करा क्षेत्र में हुई प्रौद्योगिकी विकास के साथ संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन के लिये आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव 2014 मुख्य रूप से शर्करा फसलों के उत्पादन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रदर्शनी, व्यापार, बैठकों, व्याख्यानों तथा प्रदर्शन के द्वारा इन फसलों के उत्पादन तथा प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के प्रसार का अवसर प्रदान करेगा।

4 राहत टाइम्स
लखनऊ | शुक्रवार, 14 फरवरी, 2014

भिंड लाइन पर दौड़

62वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का आयोजन

70 विशेषज्ञ 700-800 किसान होंगे शामिल

विदेश के विशेषज्ञ भी लेंगे हिस्सा

लखनऊ, 13 फरवरी। भारतीय गन्ना अनुसंधान द्वारा संस्थान के 62वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव में शर्करा फसलों पर अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी का भा आयोजन किया गया है। यह महोत्सव 15 फरवरी से 17 फरवरी तक चलेगा।

निदेशक सुशील सुरमन ने बताया कि इस संगोष्ठी का विषय मिठास और हरी ऊर्जा रखा गया है साथ ही महोत्सव मे आस्ट्रेलिया, ब्राजील, श्रीलंका, वेतनाम, चीन से विशेषज्ञ आयेंगे।

महोत्सव मे 70 विशेषज्ञ 700-800 किसान व छात्र-छात्राएं शामिल होंगे, इस दौरान किसान विशेषज्ञों से सवाल पूछ सकते है व समस्याओं का समाधान पा सकते है। महोत्सव में गन्ने का अच्छी पैदावार के गुण भी अताये जायेंगे व नई तकनीकों से अवगत कराया जायेगा।

सुशील ने यह भी बताया कि कोयमबटूर के विशेषज्ञ नई प्रजातियों के ऊपर काम कर रहे है, जिससे उन्होंने एक प्रजाति तैयार की है 94185 जिसकी पैदावार कम व ज्यादा पानी दोनों हालातों में अच्छी पैदावार की जा सकती है।

डा. सुधीर कुमार ने बताया कि महोत्सव मे जानकारियों के साथ-साथ मनोरंजन का भी प्रबंध किया गया है, जिसमें हर उम्र व हर वर्ग के लोग शामिल हो सकते है, जिसमें बी.टू.बी. मीट, किसान मेला, छात्र संगम व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी शामिल है।

आज

१४ फरवरी, २०१४ (४)

गन्ना अनुसंधान में राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव और संगोष्ठी का आयोजन १५ से

लखनऊ, गुरूवार (आज समाचार सेवा)। रायबरेली रोड स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में आगामी १५ से १७ फरवरी को स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव तथा शर्करा फसलों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। यह जानकारी संस्थान के निदेशक सुशील सोरोमान ने पत्रकार वार्ता के दौरान दी। उन्होंने कहाकि गन्ना अनुसंधान की संगोष्ठी में भारत के अलावा आठ और देशों के प्रतिनिधि गोष्ठी में भाग ले रहे है। इस अवसर पर शर्करा फसलों पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया जा रहा है। यह कार्यक्रम गन्ना तथा शर्करा क्षेत्र में हुई प्रौद्योगिकी विकास के साथ संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन हेतु आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव २०१४, मुख्य रूप से शर्करा फसलों के उत्पादन के प्रत्येक क्षेत्र में प्रदर्शनी, व्यापार, बैठकों, व्याख्यानों तथा प्रदर्शन द्वारा इन फसलों के उत्पादन तथा प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के प्रसार का अवसर प्रदान करेगा। अपने सभी भागीदारों के सहयोग से आशा है कि इस अवसर पर १०,००० गन्ना कृषक, प्रसार कार्यकर्ता, ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगण इस महोत्सव से लाभ उठा सकेंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों के नीति नियन्त्रकों व सरकारी अधिकारी तथा शर्करा फसलों पर अनुसंधानरत विश्वविख्यात वैज्ञानिकों की गरिमामयी उपस्थिति सभी के लिए लाभकारी होगा। निदेशक ने बताया कि राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में जनसामान्य की अभिरूचि विकसित कर सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु छोटे बच्चों हेतु फैन्सी ड्रेस, स्वास्थ्य के लिए दौड़, किसी दिये विषय पर एक मिनट तक बोलना तथा गुब्बारे फुलाने एवं विद्यार्थियों के लिए ट्रेजर, हन्ट, योग, प्रश्नोत्तरी, बधाई पत्र बनाना, निबन्ध लेखन, गन्ना चूसने तथा पतंग उड़ाने जैसी आकर्षक प्रतियोगितायें आयोजित की जायेगी। कार्यशील महिलाओं एवं गृहणियों हेतु आयोजित गन्ने के रस, चीनी व गुड़ से निर्मित खाद्य व्यंजन, पुष्प, सजावट, रंगोली तथा मेंहदी प्रतियोगितायें शर्करा महोत्सव का मुख्य आर्कषण होगा। जनसामान्य के लिए रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित होंगे, जिनमें लोक संगीत तथा भारतीय शास्त्रीय संगीत का लुत्फ भी लिया जा सकेगा।

The Indian EXPRESS
www.indianexpress.com

2

FRIDAY | FEBRUARY 14 | 2014

IISR invites 6 countries for conclave

EXPRESS NEWS SERVICE
LUCKNOW, FEBRUARY 13

AIMING at enhancing sugarcane productivity, the Indian Institute of Sugarcane Research (IISR) has invited experts from as many as six countries for an interaction over a three day period this month. Experts in the field of sugarcane from Brazil, Vietnam, Belgium, Australia, China, and Sri Lanka have been invited between February 15-17 for the National Sugar Fest.

"Although the sugarcane production of these countries may be less as compared to India, their productivity and technology is what we will be looking at," said IISR director Dr Sushil Solomon, adding, "Nearly 70 scientists will be attending the conclave." The scientists will share cane expertise practiced in their countries.

Experts visiting from Brazil will share the success, challenges and constraints of the Ethanol Program in Brazil, which has a successful model of ethanol production from sugarcane.

Currently, this practice stands at nearly 5 per cent in India. Meanwhile, experts from Belgium will talk about the negligent-in-India practice of sugar beet cultivation.

माघ मास शुक्ल पक्ष 15

लखनऊ, शुक्रवार, 14 फरवरी, 2014

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

जुटेंगे विदेशी वैज्ञानिक

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आइआइएसआर) के 62 वें स्थापना दिवस के मौके पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव 15 से 17 फरवरी तक संस्थान परिसर में मनाया जाएगा। इस अवसर पर शर्करा फसलों पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया जा रहा है। यह जानकारी गुरुवार को संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने पुस्तकालय हाल में आयोजित पत्रकारवार्ता में दी।

उन्होंने बताया कि गन्ना और चीनी क्षेत्र में काम करने वाले विश्व के दस देशों के 70 वैज्ञानिक,700-800 के करीब किसान,छात्र और शोधछात्र शिरकत करेंगे। इस अवसर पर ब्राजील,आस्ट्रेलिया के अलावा श्रीलंका और बांग्लादेश के वैज्ञानिक इस संगोष्ठी में हिस्सा लेंगे। संस्थान के मीडिया प्रभारी डॉ. ए के साह ने राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुए महोत्सव में शर्करा फसलों के उत्पादन

शर्करा महोत्सव

उत्पादन क्षमता को बढ़ाने पर होगा मंथन, आधुनिक तकनीको से एक-दूजे होंगे साझीदार

के प्रत्येक क्षेत्र में प्रदर्शनी, व्यापार, बैठकों, व्याख्यानों व प्रदर्शन जरिए इन फसलों के उत्पादन व प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के प्रचार- प्रसार किये जाने का बेहतर मौका मिलेगा।

शर्करा महोत्सव आयोजन के सचिव डॉ. सुधीर शुक्ला ने बताया कि महोत्सव में जनसामान्य की अभिरूचि विकसित कर सहभागिता सुनिश्चित करने के लिहाज से छोटे बच्चों की फैन्सी ड्रेस, स्वास्थ्य के लिए दौड़, किसी दिए विषय पर एक मिनट का भाषण एवं गुब्बारे फुलाने, विद्यार्थियों के लिए ट्रेजर हन्ट, योग, प्रश्नोत्तरी, बधाई पत्र बनाना, निबन्ध लेखन, गन्ना चूसना, पतंग उड़ाने जैसी आकर्षक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। कार्यशील महिलाओं एवं गृहणियों के लिए आयोजित गन्ने के रस, चीनी व गुड़ से निर्मित खाद्य व्यंजन, पुष्प प्रबन्धन, रंगोली तथा मेंहदी प्रतियोगिताएं, शर्करा महोत्सव का मुख्य आर्कषण होंगी ।

उन्होंने कहा कि जन सामान्य के लिए रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इसमें लोक संगीत व भारतीय शास्त्रीय संगीत का आनंद लिया जा सकेगा। कृषि पर्यटन के अन्तर्गत ऊँट, घोड़ा गाड़ी व बैलगाड़ी का आनन्द लिया जा सकेगा। संस्थान के हरे एवं शांत परिसर में आयोजित फूड कोर्ट में आप भारतीय व यूरोपियन भोजन का सेवन प्रत्येक के लिए सदैव यादगार रहेगा। **वसं.**

हिन्दुस्तान लखनऊ •शुक्रवार •14 फरवरी 2014 04

गन्ना अनुसंधान संस्थान में शक्कर महोत्सव कल से

लखनऊ। अगर आप बैलगाड़ी की सवारी करना चाहते हैं, मक्के की रोटी और सरसों का साग खाने के शौकीन हैं तो आइए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान। रविवार को संस्थान स्थापना की 62वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस अवसर पर रायबरेली रोड स्थित संस्थान में तीन दिवसीय शर्करा महोत्सव 15 से शुरू हो रहा है। संस्थान के निदेशक सुशील सोलोमन ने कहा कि शर्करा फसलों पर एक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की जाएगी। **कासं**

नवभारत टाइम्स

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली/लखनऊ । शुक्रवार, 14 फरवरी 2014

स्थापना दिवस पर घोड़ा गाड़ी की सैर

■ **एनबीटी, लखनऊ** : भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान अपने 62वें स्थापना दिवस पर 15 से 17 फरवरी तक शर्करा महोत्सव का अयोजन करेगा। इसमें शर्करा फसलों पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ कई मनोरंजक कार्यक्रम भी होंगे जिसमें लोग कृषि पर्यटन के अंतर्गत ऊंट, घोड़ा और बैलगाड़ी की सैर का मजा ले सकेंगे। संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने बताया कि स्थापना दिवस के मौके पर बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस, प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन, गन्ना चूसना और पतंग उड़ाने जैसी प्रतियोगिताएं होंगी। महोत्सव में 10 देशों के 150 से ज्यादा प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे।

अमर उजाला लखनऊ । शुक्रवार । 14 फरवरी 2014

शर्करा महोत्सव कल से

लखनऊ। गन्ने का आधुनिक रूप शनिवार से इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ शुगरकेन रिसर्च (आईआईएसआर) के तेलीबाग स्थित परिसर में दिखेगा। तीन दिवसीय राष्ट्रीय शर्करा महोत्सव में विशेषज्ञ नई तकनीक व व्यापारिक गतिविधियों पर चर्चा करेंगे। महोत्सव आईआईएसआर के 62वें स्थापना दिवस पर आयोजित किया जा रहा है। यह 15-17 फरवरी तक चलेगा। यह जानकारी निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन ने दी।